आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-26, भोपाल, सोमवार, 24 जुलाई से 30 जुलाई 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

चीन को घेरने की तैयारी में भारत, अरुणाचल में सीमा तक बनाएगा सुरंग

ईटानगर। भारत-चीन के बीच तनाव जारी है और वहीं खबर है कि सीमा सड़क संगठन अरुणाचल प्रदेश में दो सुरंगों को निर्माण करेगा। इसके चलते चीन की सीमा तक पहुंचना और आसान हो जाएगा। बीआरओ यह सुरंगे अरुणाचल में 4,170 मीटर ऊंचे सेला दर्रा निकालेगा। इनकी मदद से तवांग से होकर चीन की सीमा तक की दूरी 10 किलोमीटर तक कम हो जाएगी। बीआरओ ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इन सुरंगों से तेजपुर में सेना के 4 कॉर्प के मुख्यालय और तवांग के बीच यात्रा के समय में एक घंटे की कमी आएगी। इससे बड़ी बात यह है कि इन सुरंगों से बोमडिला और तवांग के बीच 171 किलोमीटर लंबे रास्ते में हर मौसम में आवागमन हो सकेगा। भारी हिमपात के समय जब सड़क संपर्क टूट जाता है, तो ये सुरंगें भारतीय सेना के लिए वरदान साबित होंगी। सुरंगों का निर्माण पूर्वी हिमालय में दुर्गम स्थलों से गुजरते हुए तिब्बत के अग्रिम इलाकों तक जल्द पहुंचने की कवायद के तहत किया जा रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार, बीआरओ की %वर्तक% परियोजना के तहत 42 सीमा सड़क कार्य बल के कमांडर आरएस राव ने वेस्ट कमेंग के उपायुक्त सोनल स्वरूप से सुरंग की खातिर भूमि अधिग्रहण करने का अनुरोध किया है। इस परियोजना में राष्ट्रीय राजमार्ग तक एकल मार्ग को दोहरे मार्ग में बदलना भी शामिल है। अरुणाचल प्रदेश में कलाक्तांग और असम में ओरांग के जरिये भूटान सीमा पर एक छोटी सड़क है। लेकिन, उसका ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया जाता। इसके अलावा सेला सुरंग से तवांग में पर्यटन की संभावनाएं उभरेंगी और ज्यादा पर्यटकों के आने से तवांग पूर्वोत्तर में सबसे मशहूर स्थल बनेगा।

पासपोर्ट बनवाना हुआ आसान, अब जरूरी नहीं बर्थ सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। अगर आप पासपोर्ट बनवाने जा रहे हैं तो अब आपके लिए एक बड़ी खुशखबरी है। सरकार ने पासपोर्ट बनाने की प्रक्रिया पहले के मुकाबले थोड़ा आसान बनाते हुए लोगों को राहत दी है। पासपोर्ट के लिए अब एक दस्तावेज कम लगेगा। सरकार ने संसद को जानकारी देते हुए बताया कि अब पासपोर्ट के लिए अलग से जन्म प्रमाण पत्र (बर्थ सर्टिफिकेट) की आवश्यकता नहीं होगी। बर्थ सर्टिफिकेट की जगह अब पैन कार्ड या आधार कार्ड से ही उम्र और जन्मतिथि वेरीफाई की जाएगी, लेकिन पासपोर्ट नियम 1980 के मुताबिक 26-01-1989 के बाद जन्मे लोग बर्थ सर्टिफिकेट के तौर पर मान्यता प्राप्त शैक्षिक बोर्ड, मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट, पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पहचान पत्र, या एलआईसी पॉलिसी बॉन्ड को भी प्रूफ के तौर पर यूज कर सकते हैं। इसके अलावा सरकारी कर्मचारी अपना सर्विस रिकॉर्ड, पेंशन रिकॉर्ड्स आदि का रिकॉर्ड भी उपयोग कर सकते हैं। संसद में एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री वीके सिंह ने बताया कि इसका उद्देश्य है कि लाखों लोगों को पासपोर्ट आसानी से उपलब्ध हो जाए।

वहीं 60 से कम और 8 वर्ष से अधिक उम्र वाले आवेदकों को पासपोर्ट फीस पर 10 फीसद की छूट भी मिलेगी। ऑनलाइन आवेदकों को केवल एक अभिभावक या अभिभावक का नाम ही बताना होगा। इससे एकल माता-पिता के परिवारों की मदद हो सकेगी। नए पासपोर्ट हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में बनाए जाएंगे।

राजस्थान के पानी से उत्तर गुजरात की नदियां उफनीं, पांच राज्य बाढ़-बारिश से प्रभावित

नई दिल्ली। झमाझम बारिश के चलते पहाड़ों से मैदानों तक कई राज्यों में हालात बदतर हो गए हैं। गुजरात, राजस्थान, असम, ओडिशा और पश्चिमी बंगाल में सोमवार को जमकर बारिश हुई। इन राज्यों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार तक बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना बताई है।

गुजरात: गुजरात के सौराष्ट्र व दक्षिणी इलाकों में बाढ़ के हालात के बीच पश्चिमी राजस्थान में हुई जोरदार बरसात से उत्तरी गुजरात में हालात बेकाबू हो गए हैं। जोधपुर, जालोर, पाली, सिरोही व उदयपुर में 10 से 12 इंच बरसात से बनासकांठा और पाटन जिलों के सैकड़ों गांवों में पानी भर गया। गुजरात में अब तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है। डीसा व धानेरा में सैकड़ों लोग व पशु फंस गए हैं। बीएसएफ, सेना, वायुसेना व एनडीआरएफ राहत व बचाव कार्य में जुटे हैं। करीब 2200 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री विजय रुपानी ने आपातकालीन बैठक बुलाई है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर गुजरात में अगले दो दिन भारी बरसात की आशंका है। गुजरात का एक नेशनल हाईवे तथा 24 स्टेट हाईवे बंद कर दिए गए हैं। सोमवार सुबह सौराष्ट्र के एक ही गांव से तीन गर्भवती महिलाओं को वायुसेना ने रेस्क्यू किया। राज्य में अब तक मानसून की औसत 60 फीसदी बारिश हो चुकी है। उधर, सरकार ने राज्य में बाढ़ व अनावृष्टि के हालात के चलते नर्मदा यात्रा को टाल दिया है। अब यह अगस्त में निकाली जाएगी।

राजस्थान: राजस्थान के सिरोही, जालौर और पाली जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। अन्य दस जिलों में तेज बारिश से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। माउंट आबू में अब तक की सबसे अधिक 800 मिलीमीटर बारिश हुई है। माउंट आबू का अन्य क्षेत्रों से संपर्क कट गया। जालौर, सिरोही, पाली जिलों से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग भी लगभग बंद हो गए। जालौर का प्रमुख पांचला बांध टूट गया और इसका पानी सांचोर शहर में घुसने की स्थिति बन गई। उदयपुर के छाणी गांव के पास बरसाती नदी में एक जीप बहने से मां और बेटे की मौत हो गई। जोधपुर में भी सोमवार सुबह एक बच्चा बरसाती नाले में बह गया। सिरोही के माउंट आबू में 30 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल में लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ने से वीरभूम के करीब 17 गांवों में पानी घुस गया है। कई अन्य नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। बारिश के चलते उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के बंद होने और फिर शुरू होने का सिलसिला जारी रहा। जम्मू-कश्मीर में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने आद्कुंवारी से भवन तक नए मार्ग से यात्रा बंद कर दी गई है। हिमाचलहिमाचल में भूस्खलन से कई मार्ग बाधित हैं। मंडी जिले के जोगेंद्रनगर के पेटूनाला में बाढ़ आने से यहां बना अस्थायी पुल बह गया। इससे 10 गांवों का संपर्क टूट गया है। ओडिशा और झारखंड में भारी बारिश की संभावना है। वैतरणी, स्वर्णरेखा, खरकई, बुढ़ा बलंग एवं ब्राह्मणी आदि नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है।

आधार के जरिये यूजर वैरीफाई कर रही कंपनियां, लेकिन डेटा लीक पर कोई चिंता नहीं

नई दिल्ली। मोबाइल फोन यूजर्स को सिम के सर्विस प्रोवाइडर्स से बार-बार मैसेज मिल रहे हैं कि वे अपने मोबाइल नंबर को आधार के साथ वैरीफाई कराएं। डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकॉम की ओर से मार्च में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दूरसंचार कंपनियां अपने ग्राहकों का आधार-आधारित ई-केवाईसी सत्यापन कर रही हैं। दूरसंचार विभाग के निर्देश सभी नए और मौजूदा मोबाइल उपभोक्ताओं के पते को सत्यापित करने के लिए फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था। फरवरी 2018 तक सभी ग्राहकों का ई-केवाईसी करना जरूरी है। जाहिरा तौर पर इस कदम के जरिये 'फर्जी' ग्राहकों को बाहर करना है।

मगर, ये 'फर्जी' यूजर कौन हैं? नए ग्राहकों के लिए यह सब कदम अधिक मुसीबत पैदा करने वाला है क्योंकि आधार नंबर के बिना वे सिम नहीं खरीद सकते हैं। दूसरा, यदि कोई अपने हेल्पर से उसकी डिटेल्स लेकर उसका सिम ले लेता है, तो उसे रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि अधिकांश सेवाओं के लिए, मोबाइल कम्युनिकेशन के लिए निजी जानकारी साझा करनी होगी। मगर, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि उनका डेटा कितना सुरक्षित होगा। हाल ही में एक वेबसाइट ने रिलायंस जियो के 10 करोड़ यूजर्स की निजी जानकारियों को सार्वजनिक कर दिया था। जियो ने ई-केवाईसी के जरिये अपने ग्राहकों को इनरोल किया था। हालांकि, जियो ने दावा किया कि वेबसाइट पर मौजूद डेटा 'अप्रामाणिक' था। सरकार इस सिक्योरिटी ब्रीच के मामले में रिलायंस जियो से अधिक जानकारी मांग रही है, जिसमें कंप्यूटर साइंस ड्रॉपआउट एक युवा इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया है। प्राइवेसी लॉ के एक एक्सपर्ट ने सुझाव दिया कि तेजी से वैरिफिकेशन के लिए यदि ई-केवाईसी का यूज किया जाता है, तो भी हर किसी के पास किसी की भी निजी जानकारी की पहुंच नहीं होनी चाहिए।

कमांडो पति को परेशान करते हैं अधिकारी, पत्नी ने की पीएम-राष्ट्रपति से शिकायत

नई दिल्ली। नौसेना के स्पेशल फोर्स के कमांडो की पत्नी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से शिकायत की है कि उसके पति का मानसिक उत्पीड़न किया जाता है। महिला ने कहा है कि उसके पति को यातना देने में कमांडिंग अफसर भी शामिल है। वर्तमान में कोच्चि (केरल) में डाइविंग स्कूल में तैनात मरीन कमांडो (मार्सोस) अनूप टीएस की पत्नी ने यह लिखित शिकायत की है। उन्होंने कहा है कि इस साल 18 मार्च को मेरे पति की यूनिट में कमांडर रैंक के चीफ इंस्ट्रक्टर ने यूनिट के अन्य जवानों के सामने मेरे पति का अपमान किया, गाली दी और शर्मिंदा किया। महिला ने कहा कि अधिकारी द्वारा सार्वजनिक रूप से अपमान किए जाने के बाद उसके पति ने 21 मार्च को सिस्टम के जरिये यूनिट के अधिकारी प्रभारी कप्तान मनीष राव के पास गए और अपनी शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, शिकायत दर्ज कराने के दो महीने बाद भी उसने अपने पति के पक्ष में कोई कार्रवाई शुरू नहीं की। राव ने अपने कनिष्ठ अधिकारी को बचाने के लिए फर्जी काउंसिलिंग देकर उद्देश्यपूर्ण रूप से हेरफेर किया और शिकायत को खत्म कर दिया। महिला ने कहा कि उसके पति अपने अधिकारियों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार से प्रभावित हुए हैं। अपने आरोपों में महिला ने दावा किया कि घटना के बाद कमांडर-रैंक के अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उनके पति को निशाना बनाकर बदला लेना शुरू कर दिया है और सभी बाहरी ड्यूटी के लिए उन्हें भेजा जा रहा है और उन्हें कार्यालय के कंप्यूटर का उपयोग करने से रोक कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। यूनिट अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए महिला ने कहा कि चीफ इंस्ट्रक्टर और यूनिट के दो अन्य अधिकारियों द्वारा मेरे पति की जानकारी के बिना उन्हें जबरन छुट्टी पर भेजा जा रहा है।

शिकायत में महिला ने कहा कि इससे मेरे पति की जिंदगी खतरे में है। कई बार अनुरोध करने के बावजूद यूनिट की ग्रीवेंस रिड्रेसल सिस्टम न तो शिकायत को आगे भेज रही है और न ही उस पर कोई कार्रवाई कर रही है। कोच्चि के एक नौसेना के प्रवक्ता से जब इस बारे में जवाब देने के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा कि महिला की शिकायत फोर्स को मिली है और इस मामले में जांच के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है।

अयोध्या में बोले योगी- बातचीत से करेंगे राम मंदिर मुद्दे का समाधान

अयोध्या। अयोध्या दौरे पर गए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर मुद्दे को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का समाधान आपसी बातचीत से करेंगे। इस मामले में दोनों पक्ष जल्द बात करें। उन्होंने कहा कि दोनों ही पक्ष सुप्रीम कोर्ट की सलाह मानें। इससे पहले योगी आदित्यनाथ बुधवार को हेलिकॉप्टर से फैजाबाद हवाई पट्टी पहुंचे। इसके बाद परमहंस की सरयू तट स्थित समाधि के लिए कार से रवाना हो गए। दिवंगत महंत राम चन्द्र परमहंस की समाधि स्थल को प्रशासन ने खाली कराया। गौरतलब है कि सीएम योगी अयोध्या राम मंदिर आंदोलन के श्लाका पुरुष महंत रामचंद्र दास परमहंस की पुण्यतिथि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। यहां उन्होंने स्वर्गीय आदित्यनाथ परमहंस को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद योगी दिगंबर अखाड़ा पहुंचे। यहां उन्होंने आदित्यनाथ परमहंस के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर श्रधांजलि सभा का आगाज किया।

गांधी से दीनदयाल की तुलना पर विपक्ष का राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के भाषण का मुद्दा उठा। विपक्ष ने कोविंद द्वारा अपने भाषण में महात्मा गांधी की तुलना दीनदयाल उपाध्याय से किए जाने पर जमकर हंगामा किया। कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने राष्ट्रपति भाषण पर आपत्ति जताई वहीं गुलाम नबी आजाद ने शपथ ग्रहण के भाषण को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।

छेड़छाड़ की रिपोर्ट लिखने में आनाकानी करने पर टीआई-एसआई को नोटिस

इंदौर। छेड़छाड़ की शिकायत करने पहुंची छात्रा की रिपोर्ट लिखने से इंकार करने वाले टीआई और एसआई को डीआईजी ने नोटिस दिया। उन्होंने एएसपी और सीएसपी से भी घटना की रिपोर्ट मांगी।

काजी पलासिया निवासी 19 वर्षीय युवती ने आरोप लगाया कि उसके साथ यात्री बस (एमपी 09 एफए 2622) में छेड़छाड़ हुई। करीब बैठे मनचले ने अश्लील हरकत की और विरोध करने पर मुंह में रूमाल ठूंस दिया। आरोपी ने कंडक्टर के सामने बाल पकड़कर खींचा और मारपीट करने लगा। पीड़िता ने उसे कॉलर पकड़कर बस से उतार लिया। वह भंवरकुआं थाने पहुंची तो पुलिसकर्मियों ने रिपोर्ट लिखने की जगह आवेदन लेकर रवाना कर दिया। शनिवार को पिता ने एफआईआर की कॉपी मांगी तो टीआई ने कहा अभी जांच कर रहे हैं। पीड़िता के सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करते ही पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। डीआईजी हरिनारायणचारी मिश्र के मुताबिक टीआई शिवपालसिंह कुशवाह और ड्यूटी पर मौजूद एसआई को नोटिस जारी किया गया है। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

उधर घटना से नाराज लोगों ने रविवार दोपहर यात्री बस को खुड़ैल में रोक लिया। यात्रियों को उतारा और चालक फकीरा, कंडक्टर राकेश भाटी और एक हेल्पर को पुलिस के हवाले किया। अफसरों ने पूछताछ के बाद भंवरकुआं पुलिस को सूचना दी और बस सहित तीनों को भंवरकुआं रवाना कर दिया। पुलिस के मुताबिक भाटी ने बताया कि घटना के वक्त वह सवारियों से किराया वसूल रहा था। युवती के पास ट्रैवल एजेंट महेश पांचाल बैठा था। दोनों में किसी बात पर विवाद हुआ था। युवती ने छेड़छाड़ के बारे में नहीं बताया था। पुलिस के मुताबिक पांचाल की तलाश की जा रही है।

बहुत हो गई बूढ़ों की कांग्रेस, अब युवाओं को मौका दो : सज्जन सिंह

इंदौर, नईदुनिया प्रतिनिधि। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अब कांग्रेस में स्थानीय तौर पर मंथन शुरू हो चुका है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेश जोशी की अगुआई में रविवार को एक होटल में भोज का आयोजन हुआ, जिसमें उनके विरोधी माने जाने वाले नेता सज्जनसिंह वर्मा और सुरेश सेठ भी शामिल हुए। चर्चा इस बात को लेकर थी कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस किस तरह प्रदर्शन करे। पूर्व सांसद वर्मा ने कहा बहुत हो चुकी बूढ़े लोगों की कांग्रेस। जब तक हम नहीं हटेंगे, युवाओं को कैसे मौका मिलेगा। इस पर महेश जोशी ने चुटकी लेते हुए कहा आपका खुद के बारे में क्या ख्याल है तो वर्मा बोले मैं तो कहता हूं कि पार्टी को 60 साल की उम्र से ऊपर के नेताओं को टिकट ही नहीं देना चाहिए। महेश जोशी ने कहा एक बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन करना है। कार्यकर्ताओं की सूची तैयार करो। 15 साल से शहर में संगठन नहीं है, न वार्ड में और न ब्लॉक में। वरिष्ठ नेता सेठ ने कहा इंदौर के फैसले अब हमारे बीच ही होना चाहिए। बार-बार हाईकमान को भेजने की जरूरत नहीं है। इस दौरान तुलसी सिलावट, रामेश्वर पटेल, चंद्रप्रभाष शेखर, कृपाशंकर शुक्ला, नरेंद्र सलूजा, अनिल यादव, भंवर शर्मा सहित अन्य नेता मौजूद थे।

पांच साल पीछे हो गया शहर

इंदौर। शहर की क्या जरूरतें हैं और उन्हें कब पूरा होना चाहिए, इसके लिए समय पर प्लानिंग होती है, लेकिन शहर इस मामले में खुशकिस्मत नहीं है। जिन कामों को पांच साल पहले आकार ले लेना था, उनकी प्लानिंग भी पूरी नहीं हो पाई है। जो काम शहर के लिए जरूरी हैं, उनका होना अब मजबूरी हो गया है। अब भी शहर की जिम्मेदार संस्थाएं और जनप्रतिनिधि निष्क्रिय रहे तो इंदौर देश के दूसरे शहरों से विकास के मामले में पिछड़ सकता है।

चाहिए सात फ्लायओवर, बना सिर्फ एक :

ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए शहर में सात व्यस्त चौराहों पर फ्लायओवर की जरूरत है, लेकिन सिर्फ एक ही तैयार हो पाया। कभी मेट्रो तो कभी अंडरपास की प्लानिंग के चक्कर में विजय नगर, शिवाजी वाटिका और पलासिया चौराहे पर फ्लायओवर तैयार ही नहीं हो सके। इसके अलावा टॉवर चौराहा, पीपल्याहाना और रेडिसन चौराहे पर भी फ्लायओवर ट्रैफिक के हिसाब से जरूरी है। उधर, तीन इलाकों में तो रेलवे क्रॉसिंग पर ही ब्रिज नहीं बन पाए। शहर का एकमात्र फ्लायओवर तीन इमली चौराहे पर तैयार हो सका है।

समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए जन्म लेते हैं महापुरुष

इंदौर। महापुरुषों का जन्म समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा के लिए ही होता है। जीवन भर परमार्थ और परोपकार में जुटे रहने वाले संत अब दुर्लभ ही हैं। ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' का समूचा जीवन चरित्र ऐसा ही प्रेरक और अनुकरणीय रहा है। उनके सद्कर्मों की सुगंध युगों-युगों तक बनी रहेगी। यह बात महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने रविवार को एरोड्रम रोड स्थित श्री श्रीविद्याधाम में कही। वे आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' के षष्टम पुण्य स्मरण दिवस पर संबोधित कर रहे थे। 121 विद्वानों द्वारा पाद पूजन, षोडषोपचार पूजन, अभिषेक, कन्या पूजन, संत-भूदेव पूजन एवं आरती की गई। महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतनस्वरूप, गोराकुंड रामद्वारा के संत अमृतराम, छावनी रामद्वारा के संत रामस्वरूप रामस्नेही सहित शहर के प्रमुख धर्म स्थलों के संत विद्वान सहित पूनमचंद अग्रवाल, सत्यनारायण शर्मा, राम ऐरन, पं. दिनेश शर्मा, राजेंद्र महाजन, सुरेश शर्मा, रमेशचंद्र राठौर आदि मौजूद थे।

आर्थिक तंगी में अटका दुग्ध संघ का नया प्लांट

इंदौर। इंदौर दुग्ध संघ के नए प्लांट के लिए भवन तो तैयार है, लेकिन फंड की कमी के कारण इसकी मशीनें नहीं आ पा रही हैं। अब एमपी मिल्क फेडरेशन केंद्र सरकार से मदद मांगने जा रहा है। इसके लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) प्रोजेक्ट रिपोर्ट बना रहा है। इस मुद्दे पर फेडरेशन और एनडीडीबी के अधिकारियों की बैठक भी भोपाल में हो चुकी है। प्लांट के लिए दुग्ध संघ के मांगलिया स्थित परिसर में 14 करोड़ की लागत से भवन बनकर तैयार है। इसकी क्षमता 4 लाख लीटर दूध प्रोसेसिंग की होगी। इसमें 50 करोड़ की लागत से मशीनें लगेंगी, लेकिन दुग्ध संघ के पास इतना पैसा नहीं है। ब्याज पर पैसा लेकर भी दुग्ध संघ इस प्लांट के लिए मशीनें खरीदने की स्थिति में नहीं है। केंद्र सरकार विभिन्न राज्यों में को-ऑपरेटिव सेक्टर के पुराने दूध प्लांटों को विस्तारीकरण और सुदृढ़ीकरण के तहत आर्थिक मदद करता है। इसमें कुछ पैसा केंद्र और कुछ राज्य देता है या कम ब्याज पर धन उपलब्ध कराया जाता है। अधिकारी रास्ता निकाल रहे हैं कि केंद्र सरकार की किसी ऐसी योजना में नए प्लांट की योजना को शामिल किया जाए, जिससे दुग्ध संघ पर आर्थिक बोझ न आए। इस प्रोजेक्ट के लिए मशीनों आदि की रिपोर्ट बनाने का काम एनडीडीबी को सौंपा गया है। मशीनों पर बड़ी राशि खर्च होगी : फंड की कमी होने से नया प्लांट शुरू नहीं कर पा रहे। इसके लिए उच्च स्तर पर चर्चा चल रही है। मशीनों पर बड़ी राशि खर्च होगी। आणंद से एनडीडीबी के अधिकारी प्लांट देखने आ चुके हैं। प्लांट में किस तरह की मशीनें लगाई जाएं, इस बारे में एनडीडीबी अपनी रिपोर्ट देगा।

- एएन द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, इंदौर दुग्ध संघ

पॉलिथीन पर रोक का नोटिफिकेशन जारी, अब होगी सख्ती

इंदौर। शासन ने पॉलिथीन पर रोक लगाने के अपने आदेश के बाद इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अब इसके खिलाफ कार्रवाई में तेजी आएगी। वहीं कपड़े जैसी दिखने वाली थैली भी बंद होगी। प्रदूषण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन दिनों दुकानदार एक कपड़े जैसी दिखने वाली थैली का उपयोग कर रहे हैं। इसकी जांच में सामने आया है कि इसके निर्माण में भी प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, इसलिए इस पर भी रोक लगाई जाएगी। प्रदेश सरकार ने 1 मई से प्रदेश में पॉलिथीन के उपयोग पर रोक लगा दी है। वहीं पैकेजिंग के उपयोग में आने वाली थैली को निर्माता द्वारा सीधे उद्योगों में सप्लाय करने का आदेश दिया गया है।

खबरें

तीनों के खिलाफ एमआईजी थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है

दोस्त का एटीएम कार्ड चुराकर 50 हजार निकालने वाले तीन युवक गिरफ्तार

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने दोस्त का एटीएम कार्ड चोरी कर 50 हजार रुपए निकालने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

एएसपी (क्राइम) अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, फरियादी प्रेमलता मांडले निवासी परदेशीपुरा की शिकायत पर पारस सुराना (24) निवासी नेहरू नगर, गोलू उर्फ विनय अंडैल (19) निवासी परदेशीपुरा और गौरव सिरसाठ (24) निवासी परदेशीपुरा को गिफ्तार किया है। फरियादी ने बताया कि उसका बैंक ऑफ बड़ौदा में खाता है। उसके एटीएम का उपयोग बेटा रितेश मांडले करता है। रितेश की ट्रांसपोर्ट नगर में टायर की दुकान है। कुछ दिन पहले उनके खाते से 50 हजार रुपए निकल गए।

एएसपी के मुताबिक, आरोपी पारस फरियादी के बेटे रितेश का बचपन का दोस्त है। वह उसके साथ ही काम करता है। रितेश रुपए निकालते वक्त पारस को साथ लेकर जाता था। इसी दौरान उसने एटीएम के पासवर्ड देख लिए। मौका देखकर पारस ने दुकान से एटीएम चुरा लिया। उसने साथी गोलू व गौरव को बताया कि रितेश के खाते में काफी रुपए हैं। आरोपी ने उन्हें एटीएम और पासवर्ड भी दे दिए। दोनों ने एचडीएफसी बैंक (एलआईजी) और बैंक ऑफ बड़ौदा (आरएसएस) से चार अलग-अलग किस्तों में 50 हजार रुपए निकाल लिए।

पिता की बीमारी के लिए चोरी करना बताया: पुलिस के मुताबिक, तीन स्थानों के सीसीटीवी फुटेज से आरोपी गोलू और गौरव की पहचान हुई। पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि एटीएम पारस ने चुराया था। पारस ने बताया कि उसके पिता को दिल की बीमारी है। इलाज के लिए रुपए की जरूरत थी। वह पहले भी चोरी के आरोप में पकड़ा जा चुका है। आरोपियों ने रुपए आपस में बांट लिए थे। तीनों के खिलाफ एमआईजी थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है।

हादसे में घायल छात्र को एमवायएच में छोड़कर भाग गए दोस्त, मौत

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र में दसवीं का एक छात्र सड़क हादसे में घायल हो गया। दोस्त उसे एमवाय अस्पताल में छोड़कर भाग गए। परिजन जब पहुंचे तो इलाज के लिए हंगामा हुआ। वे उसे दूसरे अस्पताल ले गए, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई।

छोटी ग्वालटोली पुलिस के मुताबिक, जूना रिसाला में रहने वाला 17 वर्षीय गगन कौशल दसवीं का छात्र था। वह रविवार को दोस्तों के साथ बाइक से उज्जैनी घूमने निकला। रोड पर उसका एक्सीडेंट हो गया, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। वह किन दोस्तों के साथ निकला था। किसने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। इसकी जानकारी निकाली जा रही है।

वहीं परिजन का आरोप था कि अस्पताल प्रबंधन ने बेटे को लावारिस हालत में रखा हुआ था। दो घंटे हो गए थे। उसका इलाज नहीं किया जा रहा था। वे लोग उसे ऑटो से गोकुलदास अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया और शव को वापस एमवाय अस्पताल ले जाने को कहा। इस पर परिजन आक्रोशित हो गए। हंगामा बढ़ने पर छोटी ग्वालटोली पुलिस पहुंची। इसके बाद परिजन गगन के शव को एमवाय अस्पताल ले गए।

पासपोर्ट के लिए वेटिंग हुई कम, सीटों में किया इजाफा

इंदौर। पासपोर्ट लघु सेवा केंद्र में अब पासपोर्ट बनवाने के लिए वेटिंग कम हो गई है और अगले महीने की अपॉइंटमेंट डेट मिलने लगी है। केंद्र में सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 180 कर दी गई है। छह महीने पहले जब पासपोर्ट केंद्र शुरू हुआ था, तब काम का काफी दबाव था और दो-तीन महीनों की वेटिंग थी। केंद्र 100 सीटों से शुरू हुआ था। अफसरों के अनुसार सीटें बढ़ाने से वेटिंग कम हो रही हैं। पासपोर्ट केंद्र में उज्जैन, खंडवा, बुरहानपुर, बड़वानी सहित संभाग के अन्य जिलों से भी यात्री पासपोर्ट बनवाने के लिए आ रहे हैं। पहले इन लोगों को भोपाल जाना पड़ता था। ऑनलाइन आवेदन के दौरान ही शुल्क भरने की अनिवार्यता के कारण भी डेट मिलने में आसानी हो रही है, क्योंकि पहले डेट मिलने पर भी लोग तय समय पर नहीं आते थे।

सरकारी प्राथमिक स्कूलों के 15 हजार से अधिक शिक्षकों को अंग्रेजी विषय का प्रशिक्षण

भोपाल। प्रदेश में सरकारी प्राथमिक स्कूलों के 15 हजार 130 शिक्षकों को अंग्रेजी विषय का प्रशिक्षण दिलवाया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यूनीसेफ, ब्रिटिश काउंसिल ऑफ इंडिया और राज्य शिक्षा केन्द्र की पार्टनशिप में यह कार्यक्रम तैयार किया है। अंग्रेजी विषय के शिक्षकों के प्रशिक्षण के पायलट प्रोजेक्ट में उज्जैन संभाग के सभी जिले और सीहोर जिले का चयन किया गया है। कार्यक्रम का मकसद शिक्षकों में अंग्रेजी भाषा के प्रति रूचि जागृत करना, बाल केन्द्रित गतिविधियों को बढ़ावा देना, भाषायी कौशल का विकास करना, कक्षा में बच्चों के साथ अंग्रेजी का उपयोग करना और स्कूल में भय मुक्त वातावरण में अंग्रेजी को खेल-खेल में सिखाना है। इस कार्यक्रम में अब तक उज्जैन में 2345, रतलाम 2519, मंदसौर 2419, नीमच 1536, देवास 1988, शाजापुर 1522, आगर 826 और सीहोर जिले में 1976 चयनित शिक्षकों को अंग्रेजी विषय का प्रशिक्षण दिलवाया गया है।

कार्यक्रम में सबसे पहले मास्टर ट्रेनर का चयन प्रदेश के डाइट और शासकीय विद्यालयों में से ब्रिटिश काउंसिल द्वारा किया जाता है। चयनित मास्टर ट्रेनर शिक्षकों को अंग्रेजी विषय का प्रशिक्षण देने का काम कर रहे है।

किसानों से समर्थन मूल्य पर एक अरब रुपये से अधिक की प्याज खरीदी गई

भोपाल। देवास जिले में प्रशासन की व्यापक व्यवस्थाओं के बीच पिछले सप्ताह तक ग्राम भौंरासा के कृषक श्री मनोज जोशी और श्री जगदीश माली, ग्राम बेड़ामऊ के श्री श्रवण सेंधवा, ग्राम भटौनी के श्री जीतेन्द्र सिंह, हाटपिपल्या के श्री पर्वत सिंह की तरह 20 हजार 199 किसानों ने समर्थन मूल्य पर खरीदी केन्द्रों पर 12 लाख 71 क्विंटल प्याज बेची। खरीदी केन्द्रों पर पुख्ता व्यवस्था के फलस्वरूप इन किसानों को एक अरब रुपये से भी अधिक का भुगतान किया गया। कृषक मनोज पिता चंद्रशेखर जोशी निवासी भौंरासा ने 5 बीघा क्षेत्र में प्याज बोई थी। प्याज के भाव नहीं मिलने से परेशान थे। इसी बीच प्रदेश सरकार ने फैसला लिया कि सभी किसानों से 8 रुपए प्रतिकिलो के हिसाब से प्याज खरीदी जाएगी। मनोज जोशी 18 जून, 26 जून एवं 30 जून 2017 को मंडी में पहुँचे और 650 कट्टे प्याज बेची। प्याज बेचने के लिए उन्हें टोकन दिए गए थे। इसी गाँव के किसान जगदीश माली ने दो बीघा जमीन में प्याज लगाई थी, जिसमें करीब 250 कट्टे प्याज पैदा हुई। अगर सरकार समर्थन मूल्य पर प्याज की फसल खरीदी नहीं करती तो इनकी लागत भी नहीं निकलती।

कारगिल की विजय सेना के धैर्य, साहस और पराक्रम की गाथा-मेजर जनरल,रावत

भोपाल। कारगिल विजय दिवस पर आज सैनिक विश्राम गृह में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के संबंध में जनसमुदाय को चल चित्र के माध्यम से विस्तृत जानकारी को दी गई। मुख्य अतिथि मेजर जनरल टी.पी.एस.रावत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सेनाएँ देश की सीमाओं और देशवासियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम हैं। विपरीत पस्थितियों में सेना ने बड़े धैर्य और साहस से पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। यह युद्ध किसी अन्य देश की सेना द्वारा जीत पाना असंभव था। मेजर जनरल रावत ने बताया कि दुर्गम स्थल होते हुए भी हमारी सेना ने कारगिल युद्ध लड़कर दुश्मनों को परास्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक अपने जीवन का अधिकतम और स्वर्णिम समय देश की सेवा में सर्मपित करते हैं। हमें भी उनके प्रति सदैव अपनत्व और सहयोग की भावना रखना चाहिये।

इस अवसर पर मेजर जनरल अशोक कुमार,कर्नल ओ.पी.मिश्रा,कर्नल वी.पी.त्रिपाठी,कर्नल प्रणव मिश्रा (से.नि.) ने 16500 फिट उंची बर्फीली पहाड़ी पर हुऐ कारगिल सहित अन्य युद्धों की परिस्थितियों,सेना की रणनीति आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। इस युद्ध में 8 जवान शहीद और 48 सैन्य कार्मिक घायल हुऐ थे। कारगिल में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि और राष्ट्रगान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन कर्नल गिरिजेश सक्सेना तथा आभार प्रदर्शन कर्नल यशवंत के.सिंह ने किया। इस अवसर पर संचालक सैनिक कल्याण ब्रिगे.आर.एस. नोटियाल, भोपाल एक्स सर्विसेस लीग के अध्यक्ष कार्नल एस कुमार सहित सेवारत/सेवानिवृत्त सैन्य कार्मिक,उनके परिवारजन,शासकीय सेवक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नादन टोला और डगा (बरगवां) औद्योगिक क्षेत्रों का विकास

भोपाल। सतना जिले के अमरपाटन से 35 किलोमीटर दूर औद्योगिक क्षेत्र नादन टोला को केन्द्र सरकार की आई.आई.डी.सी. योजना में शामिल कर लिया गया है। यहां उद्योगों के लिये 38.90 हेक्टेर भूमि आरक्षित की गई है। वर्तमान में करीब 20 हेक्टेर भूमि विभिन्न उद्योगों के लिये आवंटन के लिये तैयार है। नादर टोला औद्योगिक क्षेत्र का विकास औद्योगिक केन्द्र विकास निगम ग्वालियर द्वारा किया गया है। इसी तरह, सिंगरौली से 20 किलोमीटर दूर औद्योगिक क्षेत्र डगा (बरगवां) विकसित किया गया है। करीब 49 हेक्टेर में विकसित इस औद्योगिक क्षेत्र में एक्सप्लोसिव इकाइयों में उत्पादन शुरू हो गया है।

पहल **मंत्री श्रीमती चिटनिस ने प्रोजेक्ट की समीक्षा भी की**

तेजस्वनी प्रोजेक्ट के एसएचजी के संवर्द्धन के लिये हुआ एमओयू

भोपाल। महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस की उपस्थिति में राज्य महिला वित्त एवं विकास निगम और नाबार्ड के बीच तेजस्वनी प्रोजेक्ट के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूहों के संवर्द्धन के लिए एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। निगम की ओर से प्रबंध संचालक श्रीमती जयश्री कियावत एवं नाबार्ड के लिये मुख्य महाप्रबंधक श्री के.आर. राव ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

स्व-सहायता समूहों के पोषण के लिये नाबार्ड राज्य सरकार के अभिकरणों, बैंक स्वैच्छिक संगठनों आदि को पूर्ण रूप से सहयोग कर रहा है। राज्य महिला वित्त विकास निगम द्वारा क्रियान्वित तेजस्वनी परियोजना का उद्देश्य आईएफएडी के सहयोग से स्व-सहायता समूहों का गठन, सतत रूप से जोड़ते हुए सदस्यों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। वित्त विकास निगम द्वारा योजना के तहत आवेदन करने पर नाबार्ड द्वारा यथा योग्य राशि स्वीकृत करने और उद्यमिता प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिये ग्रामीण हाट और बाजार के लिये अनुदान पर विचार किया जा सकेगा। तेजस्वनी परियोजना में स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिये दोनों संगठन नई वित्तीय व्यवस्था जैसे कि स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को बैंक सखी, ई-शक्ति परियोजना के माध्यम से समूहों के रिकार्ड डिजिटाइजेशन आदि की शुरूआत की पहल कर सकेंगे।

महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि नाबार्ड ने असरदार तरीके से विकासोन्मुखी कार्य कर अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा अर्जित की है। उन्होंने कहा कि तेजस्वनी प्रोजेक्ट में 16 हजार से ज्यादा स्व-सहायता समूह द्वारा तेजी से कार्य किया जा रहा है। श्रीमती चिटनिस ने प्रदेश के पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, बालाघाट, मण्डला एवं डिन्डोरी जिले के अलावा शेष सभी जिलों में भी तेजस्वनी प्रोजेक्ट के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों के संवर्द्धन के लिए कार्य करने की अपेक्षा नाबार्ड से की।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री के.आर. राव ने तेजस्वनी प्रोजेक्ट में सम्पादित कार्यों की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की।

इसके अलावा एक अन्य बैठक में तेजस्वनी प्रोजेक्ट की वर्ष 2007 से 2017 में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा भी की गई। बैठक में प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास श्री जे.एन. कंसोटिया, तेजस्वनी प्रोजेक्ट की कार्यक्रम निदेशक सुश्री निधि निवेदिता एवं तेजस्वनी ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक मौजूद थे।

केन्द्र की तरह मध्यप्रदेश में भी आउटपुट/आउटकम बजट की पहल

भोपाल। नीति आयोग के निर्देशों के अनुरूप केन्द्र की तरह मध्यप्रदेश में भी आउटपुट/आउटकम (परिणामी) बजट बनाने की पहल शुरू की गई है। इसके लिये राज्य योजना आयोग में विगत 15 जुलाई से उपाध्यक्ष श्री चेतन्य कुमार काश्यप की अध्यक्षता में विभागवार बैठकें हो रही हैं। यह सिलसिला आगामी 31 अगस्त तक चलेगा। तत्पश्चात योजना आयोग द्वारा सभी विभागों के साथ बजट में प्राप्त धनराशि से क्या आउटपुट होगा तथा आउटकम के रूप में राज्य द्वारा स्थापित लक्ष्यों की कितनी पूर्ति होगी, इस पर एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया जायेगा। इस तरह की पहल करने वाला मध्यप्रदेश संभवत: देश का पहला राज्य है।

उपाध्यक्ष श्री काश्यप ने आउटपुट/आउटकम बजट प्रणाली को स्पष्ट करते हुये बताया कि इससे बजट प्रावधानों में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व की भावना सुदृढ़ होगी। केन्द्र सरकार में भी सभी विभागों के लिये आउटपुट/आउटकम बजट की रूपरेखा तैयार कर नीति आयोग से अनुमोदन प्राप्त करना अनिवार्य किया है। मध्यप्रदेश में भी इसी के अनुरूप सभी विभाग आउटपुट/आउटकम बजट की रूपरेखा तैयार कर राज्य योजना आयोग से अनुमोदन प्राप्त करेंगे।

इन बैठकों में विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं के बजट प्रावधानों और लक्ष्य की जानकारी ली जा रही है। अधिकारियों से यह भी पूछा जा रहा है कि वर्षान्त तक वे निश्चित रूप से कितने लक्ष्यों एवं कार्यो की पूर्ति कर लेंगे तथा इससे कितने हितग्राही लाभान्वित होंगे।

बैठकों मे प्रमुख सचिव व सचिवो के साथ चर्चा में उपाध्यक्ष श्री काश्यप के साथ आयोग के प्रमुख सलाहकार श्री राजेन्द्र मिश्रा, सलाहकार श्री रमेश कुमार श्रीवास्तव और श्री पी.सी. बारस्कर सहित अन्य विषय विशेषज्ञ एवं अधिकारी उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि इसके पूर्व आयोग वर्ष 2017 से 2020 के लिये प्रदेश की त्रिवर्षीय कार्ययोजना, वर्ष 2017-2024 सात वर्ष का स्ट्रेटजिक प्लान और वर्ष 2017-2032 पन्द्रह वर्ष का पर्सपेक्टिव प्लान तैयार करने के लिये सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन मंथन कर आवश्यक दिशा निर्देश दे चुका हैं।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में मॉडल स्टेट बनकर उभरा

ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियों के कारण मध्यप्रदेश सारे देश में एक मॉडल स्टेट बनकर उभरा है। पिछले कुछ वर्ष में बिजली के सुधार के क्षेत्र में 60 हजार करोड़ रुपये के कार्य किये गये हैं। जिन पैमानों के कारण किसी भी राज्य की गिनती विकसित राज्यों की श्रेणी में होती है उनमें बिजली भी प्रमुख है। इस तरह बिजली के मामलें में मध्यप्रदेश सही मायनों में विकसित राज्य हो गया है। प्रदेश में कुछ वर्षों में बिजली का उत्पादन बढ़ने से ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश

की पहचान सरप्लस स्टेट के रूप में हुई है। उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली मिल सकेए इसके लिये बिजली वितरण के क्षेत्र में भी सुधार के अनेक कार्य किये गये हैं। राज्य में किसानों को सूखे से राहत देने के लिये बिजली के मामले में भी अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिये गये हैं। राज्य सरकार ने बिजली संयंत्रों के बेहतर रख.रखावए वितरण और बिजली के प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया है। बिजली उत्पादन क्षमता 15 हजार 400 मेगावॉट हुई प्रदेश में बिजली की माँग और उपलब्धता के अंतर को दूर करने तथा बढ़ती हुई माँग को ध्यान में रखते हुए सघन प्रयास किये गये। अब प्रदेश की कुल बिजली क्षमता 15 हजार 400 मेगावॉट हो गयी है। पिछले वित्त वर्ष राज्य में 9.832 मेगावॉट अधिकतम विद्युत माँग की पूर्ति की गई थी। इस वर्ष 20 अक्टूबरए 2015 को अधिकतम 9915 मेगावॉट माँग की पूर्ति की गई। वर्तमान दीर्घकालीन अनुबंधों के आधार पर वित्तीय वर्ष 2022 तक प्रदेश की विद्युत के क्षेत्र में आत्म.निर्भरता की स्थिति बनी रहेगी। इस वित्त वर्ष के दौरान प्रदेश में 63 हजार 10 मिलियन यूनिट बिजली की माँग रहने का अनुमान लगाया गया है। माँग के अनुरूप प्रदेश में बिजली की शत.प्रतिशत आपूर्ति कर ली जायेगी। इस वर्ष प्रदेश में 10 हजार मेगावॉट से अधिक विद्युत की माँग की आपूर्ति की व्यवस्था है। पिछले साल राज्य स्वामित्व की मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी लिमिटेड की सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना की 600 मेगावॉट की द्वितीय इकाई को क्रियाशील कर उससे वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया गया है।

ट्रांसमिशन प्रणाली का सुदृढ़ीकरण राज्य में बिजली की माँग में बढ़ोत्तरी के अनुरूप ट्रांसमिशन प्रणाली के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण के लिये व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष में 1187 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों और 4,294 एमव्हीए क्षमता के अति उच्च.दाब उप.केन्द्रों के कार्य पूरे किये गये हैं। इस वित्त वर्ष में 1036 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों तथा 4494 एम0व्ही0एण् क्षमता के अति उच्च.दाब उप.केन्द्रों से संबंधित कार्य किये जायेंगे। वर्तमान में प्रदेश में ट्रांसमिशन प्रणाली की 2:82 प्रतिशत हानियाँ देश में न्यूनतम स्तर पर हैं। ट्रांसमिशन प्रणाली की उपलब्धता की भी नियामक आयोग द्वारा निर्धारित मानक से अधिक लगभग 99 प्रतिशत है। प्रदेश में बिजली की गुणवत्ता के सुधार के लिये जो कार्य किये गये हैंए उनके परिणामस्वरूप विद्युत प्रदाय की गुणवत्ता में व्यापक सुधार हुआ है। पिछले वित्त वर्ष में विद्युत वितरण कम्पनियों द्वारा 33ध्11 केण्व्हीण् के 99 नये उप.केन्द्र स्थापित किये गये और 464 उप.केन्द्र में पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि के साथ अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर लगाये गये हैं। अटल ज्योति अभियान के सफल क्रियान्वयन से अब सभी 51 जिले के आबाद क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ताओं को 24 घंटे तथा कृषि उपभोक्ताओं को 10 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली प्रदाय की जा रही है।

- पराग वराडपांडे

डिजिटल इंडिया - डिजिटल मध्यप्रदेश, डिजिटल हैं हम

सूचना-प्रौद्योगिकी का बेहतर इस्तेमाल आम लोगों की जिन्दगी को आसान बनाने और बेहतर, पारदर्शी प्रशासन देने के लिए भी किया जा सकता है, इसे साबित करने की सफल कोशिश की है मध्यप्रदेश ने। प्रदेश में पिछले एक दशक में सूचना प्रौद्यागिकी सेवाओं का एक ऐसा ढाँचा खड़ा किया गया है जिसके जरिये प्रदेश के आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाया जा रहा है। निवेश हो या नागरिक सेवाएँ आज प्रदेश आई.टी. में उत्कृष्टता का पर्याय बनता चला जा रहा है। सूचना-प्रौद्योगिकी के माध्यम से लोक सेवाओं को लोगों तक पहुँचाने, पारदर्शिता बढ़ाने और शासकीय कार्य-प्रक्रियाओं को सुगम और जवाबदेह बनाने के नवाचारों में देश के राज्यों में मध्यप्रदेश का प्रमुख स्थान है।

सेमी कण्डक्टर फेब्रीकेशन निवेश नीति तैयार कर लागू करने और राज्य ई-मेल सेवा पॉलिसी बनाकर उसे लागू करने एवं डाटा शेयरिंग में मध्यप्रदेश का अग्रणी स्थान है। मोबाइल एसएमएस गेटवे में प्रदेश का दूसरा स्थान है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के प्रमुख घटकों मे अपेक्षित लक्ष्य हासिल करने की दिशा में काम चल रहा है। राज्य सरकार के प्रयास हैं कि इलेक्ट्रॉनिक तकनीक में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी स्थान बना सके।

डिजिटल इंडिया में अग्रणी : हाल ही में संपन्न डिजिटल इंडिया सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम में भागीदारी की दृष्टि से मध्यप्रदेश देश में अग्रणी रहा है। डिजिटल इंडिया पोर्टल पर सप्ताह के दौरान जन-भागीदारी से हुए विभिन्न कार्यक्रम संबंधी प्रदर्शित जानकारी में यह तथ्य रेखांकित हुआ है। मध्यप्रदेश में डिजिटल इंडिया सप्ताह के दौरान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वयं वर्चुअल क्लास के विद्यार्थियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये सीधे संवाद किया। इसके सुदूर अंचलों में संचालित वर्चुअल क्लास के छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह देखा गया। उन्होंने मुख्मयंत्री श्री चौहान से प्रश्न पूछे। सप्ताह के दौरान महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रदेश में ई-शक्ति अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत में छात्राओं एवं महिलाकर्मियों की भागीदारी, राज्य ई-मेल सेवा पर कार्यशाला एवं इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं मेन्युफेक्चरिंग क्षेत्र में कौशल विकास के लिये युवाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत जैसे महत्वपूर्ण आयोजन शामिल रहे हैं। केन्द्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी सचिव ने सप्ताह के दौरान इंदौर, खरगोन जिल के बड़वाह एवं खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सप्ताह के दौरान राज्य, संभाग एवं जिला-स्तर पर कॉलेज एवं स्कूल में छात्र-छात्राओं, शासकीयकर्मियों एवं जन-भागीदारी से विभिन्न कार्यक्रम हुए। छात्र-छात्राओं के लिये विभिन्न रोचक तथा ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएँ भी की गईं।

अनुकूल वातावरण : यह बात उत्साहजनक है कि नई-नई तकनीक को अपनाने के प्रति प्रदेश में अनुकूल वातावरण बना है। डिजिटल इंडिया-डिजिटल मध्यप्रदेश को लेकर प्रदेश का युवा वर्ग खास तौर से उत्साही है। इस दिशा में राज्य शासन के प्रयासों के सुफल आने वाले समय में निश्चित ही देखने को मिलेंगे। प्रदेश में सुशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता को दृष्टिगत रखते हुए राज्य सरकार तत्परता से काम कर रही है।

निवेश नीति : सूचना-प्रौद्योगिकी आधारित महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के जरिये शिक्षित, योग्य और कुशल युवाओं के लिए प्रदेश में रोजगार के अवसर मुहैया करवाने के उद्देश्य से राज्य की आईटी निवेश नीति-2012 (यथा संशोधित-2014), बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग, बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट, 'बीपीओ एवं बीपीएम' उद्योग निवेश नीति-2014 तथा सेमीकण्डक्टर फेब के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को धरातल पर लाने के लिए मध्यप्रदेश सेमीकन्डक्टर फेब्रिकेशन निवेश नीति-2015 जारी की जाकर प्रदेश में वृहद आई.टी. अधोसंरचनाओं का विकास किया जा रहा है।

इन्दौर एवं भोपाल में आई.टी. पार्क की स्थापना का काम प्रगति पर हैं।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
All Types of Website Designing
Business Promotion, Lease Website
Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
Logo Designing by Experts
Bulk SMS Services
For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

सावधान, बच्चों में बढ़ रहा है मोटापा

वयस्क और किशोरों में मोटापे की समस्या बड़े पैमाने पर उभरने के बाद, अब बच्चे भी निकले हुए पेट से लड़ाई लड़ रहे हैं। बच्चों में मोटापा, वैश्विक तौर पर एक बड़ा स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा बन चुका है। बच्चों को स्वस्थ और तंदुरुस्त बनाए रखने के लिए इससे बचने के उपायों पर जल्द से जल्द ध्यान देने की बेहद आवश्यकता है।

मोटापे से ग्रस्त लोगों की संख्या के मामले में भारत दुनियाभर में तीसरे नंबर पर है। मोटापे की समस्या लगातार बढ़ रही है और विशेष रूप से शहरी इलाकों में मोटे बच्चों की संख्या में तेजी के साथ इजाफा हो रहा है। हाल ही में हुए एक अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार- मोटापे की गिरफ्त में आए किशोरों की संख्या में पिछले पांच सालों के दौरान 16 से 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

बड़े पैमाने पर लोगों को अपनी गिरफ्त में ले चुकी इस समस्या पर जल्द से जल्द ध्यान देने और कोई पुख्ता कदम उठाने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो मोटापे के साथ-साथ दिल की बीमारियों का प्रतिशत बहुत अधिक बढ़ जाएगा।

अपने बच्चे की तरफ बढ़ रहे इस खतरे से सावधान हो जाएं

मोटे और अधिक वजन के बच्चों पर बड़ी बीमारियों का खतरा मंडराता रहता है। इनमें दिल की बीमारियां, स्ट्रोक, टाइप 2 डायबिटीज, अस्थमा, स्लीप एपनिया, हेपेटिक स्टेएटोसिस और कई तरह के कैंसर के अलावा सामाजिक अवहेलना भी शामिल हैं।

कार्डियोवेस्कुलर कंडीशन यानि दिल की बीमारियों को भी विशेष रूप से मोटापे से जोड़ा जाता है। हाई ब्लडप्रेशर, टाइप 2 डायबिटीज और हाई ब्लड कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियां बड़ों के साथ-साथ अब बच्चों में भी पैर पसार रही हैं, जिसका मुख्य कारण मोटापा है।

हर माता-पिता अपने बच्चे को तंदुरुस्त देखना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें बच्चों के जरूरत से ज्यादा बढ़ते वजन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हर बच्चे की लंबाई के हिसाब से उसके वजन का एक सही आंकड़ा होता है। बीएमआई रेट पूरी तरह से सही वजन का पैमाना नहीं है, परंतु इस पर नजर रखकर बच्चे के वजन को करीब-करीब सही रखा जा सकता है और उसे खतरनाक मोटापे से बचाया जा सकता है।

हालांकि यह आवश्यक नहीं है कि बचपन में होने वाला मोटापा बड़े होने पर भी मोटापे की ओर इशारा करता हो, परंतु खानपान की गलत आदतों से मोटापे की यह आशंका और पुख्ता हो जाती है।

क्या बच्चे सही खा रहे हैं?

आवश्यकता से अधिक खाना या फिर भोजन न करने जैसी आदतों से वजन बढ़ता है। अधिक खाना या ऐसे पदार्थों का सेवन करना जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हों, लोगों को मोटापे का शिकार बनाता है। लेकिन यह बात भी ध्यान रखें कि आवश्यकता से कम खाने से भी वजन बढ़ सकता है। बच्चों की डाइट के मामले में खाने की मात्रा के साथ-साथ स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को भी ध्यान में रखना बेहद आवश्यक है।

व्यायाम पर दें ध्यान

मोटापे से बचने के लिए बच्चे के साथ योगा, व्यायाम या जिम में एक्सरसाइज करने के लिए सप्ताह में कम से कम दो बार समय अवश्य निकालें। इसके अलावा परिवार के साथ पैदल चलना, साइकिल चलाने जैसे क्रियाकलाप इससे बचने और निपटने के लिए बेहद फायदेमंद होंगे।

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

छात्रों का आईआईटी से क्यों हो रहा है मोहभंग...

सरकार ने बताया कि पिछले 3 वर्षों में अकादमिक तनाव समेत विविध कारणों से 4400 से अधिक छात्रों ने आईआईटी, एनआईटी की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। सरकार ने आश्वासन दिया कि इस दिशा में सुधारात्मक उपाए किए जा रहे हैं।

लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि 2012-13 से 2014-15 के बीच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से 2060 छात्रों ने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी।

उन्होंने कहा कि इस अवधि में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी से 2,352 छात्रों ने बीच में पढ़ाई छोडी।

स्मृति ने इस सवाल के लिखित जवाब में कहा कि इन संस्थाओं से बीच में पढ़ाई छोड़ने के कारणों में व्यक्तिगत कारण, स्वास्थ्य समस्या, पीजी कोर्स के दौरान नौकरी मिलना और अकादमिक तनाव नहीं झेल पाना आदि शामिल हैं।

2014-15 में 757 छात्रों ने आईआईटी में बीच में पढ़ाई छोड़ी जबकि 2013-14 में यह संख्या 697 थी तथा 2012-13 में यह 606 दर्ज की गई। इस अवधि में आईआईटी रूड़की में सबसे अधिक 228 छात्रों ने बीच में पढ़ाई छोड़ दी जबकि आईआईटी दिल्ली में 169 और आईआईटी खडगपुर में 209 छात्रों ने पढ़ाई छोड़ दी।

2014-15 में आईआईटी मंडी, जोधपुर, कानपुर, मद्रा और रोपड़ में किसी छात्र ने बीच में पढ़ाई नहीं छोड़ी। 2014-15 में 717 छात्रों ने एनआईटी में बीच में पढ़ाई छोड़ी जबकि 2013-14 में यह संख्या 785 थी तथा 2012-13 में यह 850 दर्ज की गई। देश में 16 आईआईटी और 30 एनआईटी हैं। मानव संसाधन विकास मंत्री ने कहा कि ऐसे छात्रों की मदद के लिए एक तंत्र है और सरकार अकादमिक तनाव से जुड़े मुद्दों को दूर करने को प्रतिबद्ध है।

ऐसे पाएं मनचाही सैलरी...

जॉब पहला हो या इसके पहले कई जॉब्स कर चुके हैं, अगर आपको भी लगता है कि आपकी काबिलियत के मुकाबले में आप की सैलरी कम है तो समझ लीजिए आप एचआर के हाथों बेवकूफ बन चुके हैं। जो आपसे सैलरी के समय थोड़ा डराकर, आपको नाकाबिल साबित कर, आपको बहुत कुछ सिखाने का झांसा देकर और मीठी-मीठी बातें करके अपने जाल में फंसाने में माहिर है। आप इस समय गलती कर गए तो अगले एक साल और न जाने ऐसे ही आने वाले कितने और सालों तक अपने किए पर पछताएंगे। तो हम कहेंगे कि खुद को बचा लीजिए और आगे आने वाले टिप्स की मदद से पाइए मनचाही सैलरी।

1. अपनी कीमत पहचानें = लॉ ऑफ अट्रेक्शन पर आपकी सैलरी हाइक आधारित है। अगर आपको बढ़ी हुई सैलरी चाहिए, आपको अपनी बात कहनी होगी। आपको होशियारी से अपनी काबिलियत गिनाते हुए नेगोशिएशन की स्थिति बनानी होगी। आपके लो कॉन्फिडेंस लेवल और खुद पर डाउटफुल देखकर एचआर तुरंत पहचान लेंगे और आप कभी भी अपनी असली काबलियत के मुताबिक सैलरी नहीं पा सकेंगे।

2. बेकरार न लगें = अक्सर जॉब सर्च के समय जॉब पाने की जल्दी में हम ऑफर मिलते ही हां कर देते हैं। ऐसा करने से बचें क्योंकि इस तरह की आदत के चलते आपको आपकी मनचाही जॉब और सैलरी नहीं मिलेगी। अपना समय लें और तुंरत जवाब देने के बदले थोड़ा समय मांग लें।

3. जितना चाहते हैं उससे अधिक मांगे = एचआर में लोग अपना काम पूरी होशियारी से करते हैं और आप जितना भी कहेंगे उससे काफी नीचे डील सील करने में उन्हें महारत होती है। आपको हर कदम में समझदारी से काम लेना होगा। अगर आपको अपने मनमुताबिक सैलरी देने के लिए एचआर राजी नहीं हैं, अगले बिंदु पर गौर करें।

4. अन्य कंपनी का ऑफर बताएं = कंपनी को यह बताएं कि आपके पास और भी ऑप्शन है और वे अकेले नहीं हैं जो आपको हायर करना चाहते हैं। खासतौर पर अगर आप यह पता लगा सकें कि कंपनी की प्रतिस्पर्धा में कौनसी कंपनी है तो बेहतर है।

खुशखबर, सरकार बनाएगी कानून, न्यूनतम वेतन होगा 15000

केंद्र सरकार जल्द ही एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन अधिनियम बनाएगी, जिसे सभी राज्य सरकारों को लागू करना होगा। केंद्रीय श्रम मंत्री बंडारू दत्तात्रेय ने यह बात कही। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की राष्ट्रीय परिषद की बैठक के अवसर पर दत्तात्रेय ने कहा कि न्यूनतम वेतन राज्य सरकारों को तय करना होता है लेकिन हम एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन कानून चाहते हैं। हम ऐसा एक कानून बनाना चाहते हैं, यह सांविधिक होगा और प्रत्येक राज्य सरकार को इस न्यूनतम वेतन को लागू करना होगा।

मंत्री ने कहा कि वेतन के बारे में फॉर्मूला तैयार है और यह जल्द ही सामने आएगा। उन्होंने कहा कि अभी हम फॉर्मूला तैयार कर रहे हैं और एक अथवा दो महीने के भीतर हम इसके साथ आगे बढ़ेंगे और राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम वेतन क्या होगा इसकी घोषणा करेंगे। इसी के अनुरूप फिर सभी राज्य सरकारों को इसे लागू करना होगा।

श्रम मंत्री ने कहा कि इस मामले में राज्य सरकारों और श्रमिक संघों के साथ बातचीत पूरी कर ली गई है। इस मुद्दे पर राज्यों के साथ साथ श्रमिक संगठनों से हमने पहले ही बातचीत कर ली है और श्रमिक संगठन 15,000 रुपए मासिक न्यूनतम वेतन रखे जाने की मांग कर रहे हैं।

दत्तात्रेय ने कहा कि इस वित्त वर्ष के अंत तक केन्द्र करीब एक करोड़ लोगों की नियुक्ति करेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की योजना सभी श्रम कानूनों में सुधार लाकर चार प्रमुख संहिता बनाने की है। उन्होंने कहा कि देश में करीब 44 श्रम कानून हैं। हम चाहते हैं कि श्रम क्षेत्र के चार प्रमुख कानून हों, क्योंकि ये कानून 50 साल पहले बनाए गए थे। इन कानूनों को आज की स्थिति के अनुरूप सरल, तर्कसंगत और जटिल प्रक्रिया से बचाने के लिए इनमें सुधार जरूरी है। इसलिये हम चार संहिताएं लाने की योजना बना रहे हैं।

महिलाओं के सपनों की सूची में यात्रा, करियर और धन

नई दिल्ली। आधुनिक दौर में महिलाएं अपने जीवन में जिन सपनों को पूरा करने की चाहत रखती हैं, उस सूची में सबसे ऊपर यात्रा, करियर और धन का स्थान है जबकि वे रिश्तों को सबसे नीचे रखती हैं। एक नए सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि पुरुष संबंधों को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य मानते हैं और इनके बाद यात्रा और धन का स्थान आता है। वे करियर को सबसे बाद में रखते हैं। जिंजर होटल की 'बकेट लिस्ट स्टडी 2015' के परिणाम के अनुसार पुरुषों ने भरोसेमंद करियर और संतोषजनक जीवनशैली समेत परंपरागत मार्ग को चुना जबकि महिलाओं ने गैरपरंपरागत लक्ष्य एवं प्राथमिकताओं का चुनाव किया। इस ऑनलाइन सर्वेक्षण में भारत के विभिन्न इलाकों ने 1146 लोगों ने भाग लिया। सपनों की इस सूची में 35 प्रतिशत महिलाओं ने यात्रा को पहला स्थान दिया। इसके बाद उन्होंने करियर, धन और संबंधों को चुना। पुरुषों ने संबंधों (32 प्रतिशत वोट) को पहला स्थान दिया और इसके बाद उन्होंने यात्रा, धन एवं करियर को चुना।

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

शास्त्रों में शरद पूर्णिमा का महत्व पूनम की रात होगा चांद 16 कलाओं से पूर्ण

पौराणिक मान्यताएं एवं शरद ऋतु, पूर्णाकार चंद्रमा, संसार भर में उत्सव का माहौल। इन सबके संयुक्त रूप का यदि कोई नाम या पर्व है तो वह है %शरद पूनम%। वह दिन जब इंतजार होता है रात्रि के उस पहर का जिसमें 16 कलाओं से युक्त चंद्रमा अमृत की वर्षा धरती पर करता है। वर्षा ऋतु की जरावस्था और शरद ऋतु के बाल रूप का यह सुंदर संजोग हर किसी का मन मोह लेता है।

प्राचीन काल से शरद पूर्णिमा को बेहद महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। शरद पूर्णिमा से हेमंत ऋतु की शुरुआत होती है। इसके महत्व और उल्लास के तौर-तरीकों के संबंध में ज्योतिषाचार्य प्रेमनारायण शास्त्री के अनुसार शरद पूनम का महत्व शास्त्रों में भी वर्णित है।

वे बताते हैं कि इस रात्रि को चंद्रमा अपनी समस्त कलाओं के साथ होता है और धरती पर अमृत वर्षा करता है। रात्रि 12 बजे होने वाली इस अमृत वर्षा का लाभ मानव को मिले इसी उद्देश्य से चंद्रोदय के वक्त गगन तले खीर या दूध रखा जाता है जिसका सेवन रात्रि 12 बजे बाद किया जाता है।

शरद पूर्णिमा कैसे मनाएं, जानिए...

मान्यता तो यह भी है कि इस तरह रोगी रोगमुक्त भी होता है। इसके अलावा खीर देवताओं का प्रिय भोजन भी है।

शरद पूर्णिमा को कोजागौरी लोक्खी (देवी लक्ष्मी) की पूजा की जाती है। चाहे पूर्णिमा किसी भी वक्त प्रारंभ हो पर पूजा दोपहर 12 बजे बाद ही शुभ मुहूर्त में होती है। पूजा में लक्ष्मीजी की प्रतिमा के अलावा कलश, धूप, दुर्वा, कमल का पुष्प, हर्तकी, कौडी, आरी (छोटा सूफा), धान, सिंदूर व नारियल के लड्डू प्रमुख होते हैं। जहां तक बात पूजन विधि की है तो इसमें रंगोली और उल्लू ध्वनि का विशेष स्थान है।

26 अक्टूबर को होगी अमृत वर्षा, मनेगी पूर्णिमा..

इस साल धरती पर शरद पूर्णिमा को बरसने वाला अमृत 26 अक्टूबर को बरसेगा। शरद पूर्णिमा को कोजागर व्रत और रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। शरद पूर्णिमा के देवता श्री कृष्ण हैं। इस दिन भगवान रास रचाते हैं जबकि कोजागर के इंद्र और लक्ष्मी इसलिए श्री कृष्ण भक्ति और लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए विशेष पर्व माना जाता है।

खास बात यह है कि इस वर्ष शरद पूर्णिमा 27 अक्टूबर को है लेकिन 26 अक्टूबर चौदस को यह पावन पर्व मनाया जाएगा।

27 अक्टूबर को सूर्यास्त पूर्व सायं 5 बजकर 35 मिनट पर पूर्णिमा समाप्त होने से चन्द्र आधारित रात्रिकालीन मनाया जाने वाला यह अमृत पर्व 26 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन पूर्णिमा रात्रि 9 बजकर 11 मिनट से प्रारम्भ होगी इसके बाद इस पर्व को मनाया जाएगा।

अगर नवंबर माह में जन्मे है, तो जानिए कैसे हैं आप...

आपका जन्म किसी भी साल के नवंबर महीने में हुआ है तो एस्ट्रोलॉजी कहती है कि आप इस दुनिया में सबकी भलाई करने के लिए जन्मे हैं। आप अत्यंत दयालु और परोपकारी हैं। सहनशक्ति के हिसाब से भी आप कमाल के बंदे हैं। जब तक आपका स्वाभिमान हर्ट ना हो जाए तब तक हर छोटी-बड़ी बात आप सिर से गुजर जाने देते हैं।

आप सबके बीच सामंजस्य बैठाने का काम बखूबी निभाते हैं। अक्सर दोस्तों के पैचअप करवाने की जिम्मेदारी आपकी होती है। यूं तो दुनिया आपको बड़े ही शांत और सौम्य रूप में जानती है लेकिन जिसने आपका गुस्सा देखा है वही जानता है कि आपके भीतर कितना तूफान भरा है। इसकी वजह से आप कम उम्र में ही ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी का शिकार हो सकते हैं।

आप दोस्तों के लिए कुछ करें या ना करें दोस्त आप पर जान लुटाने के लिए तैयार खड़े रहते हैं क्योंकि आपके भोलेपन के वे कायल होते हैं। आपकी तरक्की से जलने वालों के लिए चेतावनी है कि नवंबर वालों के दुश्मन सीधे मुंह की खाते हैं अत- सावधान।

तुलसी देती है संकेत, कोई मुसीबत आने वाली है...

क्या आपने कभी इस बात पर ध्यान दिया कि आपके घर, परिवार या आप पर कोई मुसीबत आने वाली होती है तो उसका असर सबसे पहले आपके घर में स्थित तुलसी के पौधे पर होता है। आप उस पौधे का कितना भी ध्यान रखें, धीरे-धीरे वह पौधा सूखने लगता है। तुलसी का पौधा ऐसा है, जो आपको पहले ही बता देगा कि आप पर या आपके घर-परिवार को किसी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। पुराणों और शास्त्रों के अनुसार माना जाए तो ऐसा इसलिए होता है कि जिस घर पर मुसीबत आने वाली होती है उस घर से सबसे पहले लक्ष्मी यानी तुलसीजी चली जाती है, क्योंकि दरिद्रता, अशांति या क्लेश जहां होता है वहां लक्ष्मीजी का निवास नहीं होता। अगर ज्योतिष की मानें तो ऐसा बुध के कारण होता है। बुध का प्रभाव हरे रंग पर होता है और बुध को पेड़-पौधों का कारक ग्रह माना जाता है। बुध ऐसा ग्रह है, जो अन्य ग्रहों के अच्छे और बुरे प्रभाव जातक तक पहुंचाता है। अगर कोई ग्रह अशुभ फल देगा तो उसका अशुभ प्रभाव बुध के कारक वस्तुओं पर भी होता है। अगर कोई ग्रह शुभ फल देता है तो उसके शुभ प्रभाव से तुलसी का पौधा उत्तरोत्तर बढ़ता रहता है। बुध के प्रभाव से पौधे में फल-फूल लगने लगते हैं। प्रतिदिन 4 पत्तियां तुलसी की सुबह खाली पेट ग्रहण करने से मधुमेह, रक्त विकार, वात, पित्त आदि दोष दूर होने लगते है।

सरल उपाय, हर ग्रह को शुभ बनाएं

ग्रहों की अनिष्टदायक स्थिति को शुभ मंगलमय बनाने के लिए कुछ सरल उपाय करें तो निश्चित ही शुभदायक परिणाम मिलते हैं। यह उपाय आसान है और सरलता से अपनाए जा सकते हैं-

1. सुबह उठते ही माता-पिता, गुरु एवं वृद्धजनों को प्रणाम नित्य करें तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त करके नित्य अच्छे फल प्राप्त करें।

2. रोज गाय को गुड़-रोटी दें। हो सके तो गाय का पूजन करके आज के दिन यह कामधेनु वांछित कार्य करेगी ऐसी प्रार्थना करें।

3. रोज कुत्तों को रोटी खिलानी चाहिए। पक्षियों को दाना भी डालें तो शुभ है।

4. यदि आपके शहर या गांव के पास तालाब, नदी या सागर हो तो उसमें कछुए और मछलियों को आटे की गोलियां बनाकर खिलानी चाहिए।

5. प्रतिदिन चील-कौओं को खाने-पीने की वस्तुओं में से कुछ हिस्सा अवश्य डालना चाहिए तथा गौ-ग्रास भी भोजन करते समय नियमित निकालें।

6. घर आए अतिथियों की सेवा निष्काम भाव से करनी चाहिए तथा उनकी ओर से प्राप्त संदेश ध्यान से सुनकर, योग्य संदेश का अनुकरण करना चाहिए।

7. हमेशा प्रात:काल भोजन बनाते समय माताएं-बहनें एक रोटी अग्निदेव के नाम से बनाकर घी तथा गुड़ से बृहस्पति भगवान को अर्पित करें इससे घर में वास्तु पुरुष को भोग लग जाता है। इससे अन्नपूर्णा भी प्रसन्न रहती है।

8. प्रात: स्नान करके भगवान शंकर के शिवलिंग पर जल चढ़ाकर 108 बार नम: शिवाय मंत्र की पूजा से युक्त दंडवत नमस्कार करना चाहिए।

9. स्नान के पश्चात प्रात: सूर्यनारायण भगवान को लाल पुष्प चढ़ाकर बार-बार हाथ जोड़कर नमस्कार करना चाहिए।

10. प्रत्येक शनिवार को पीपल के वृक्ष पर जल, कच्चा दूध थोड़ा चढ़ाकर, सात परिक्रमा करके सूर्य, शंकर, पीपल- इन तीनों की विधिपूर्वक पूजा करें तथा चढ़े जल को नेत्रों में लगाएं और पितृ देवाय नम: भी 4 बार बोलें तो राहु-केतु, शनि-पितृ दोष का निवारण होता है।

11. प्रात:काल सूर्य के सम्मुख बैठकर एकांत में भगवत भजन या मंत्र या गुरु मंत्र का जप करना चाहिए।

12. यथाशक्ति कुछ न कुछ गरीबों को दान देना चाहिए।

13. सेवा के बाद यश प्राप्ति की भावना नहीं रखें।

14. अभक्ष्य वस्तुओं को कभी ग्रहण नहीं करना चाहिए।

15. प्रत्येक प्राणी के प्रति यथा शक्ति दया, स्नेह और सेवा की भावना रखें।

16. रविवार या मंगलवार को कर्ज नहीं लें। लेना पड़े तो बुधवार को कर्ज लें।

17. मंगलवार को कर्ज चुकाना चाहिए तथा यह भी ध्यान रखें कि संक्रांति हो और वृद्धि योग हो अथवा हस्त नक्षत्र हो, तब कर्ज नहीं लें।

18. नियमित रूप से घर की प्रथम रोटी गाय को तथा अंतिम रोटी कुत्ते को दें, तो घर में रि द्धि-सिद्धि का आगमन एवं भाग्योदय होगा।

19. पितृ दोष से मुक्ति के लिए नित्य महागायत्री के महामंत्र की नियमित साधना करें तथा श्री रामेश्वर धाम की यात्रा कर वहां पूजन करें।

20. शुक्रवार को नाखून काट सकते हैं, गुरुवार को नाखून न काटें।

पीटरसन के बहाने शास्त्री की हो गई जमकर खिंचाई, यकीन नहीं होगा

मुंबई। सोशल मीडिया पर एक्टिव बने रहने के लाभ के साथ-साथ नुकसान भी हो सकते हैं जिसका अंदाजा अब टीम इंडिया के नए चीफ कोच रवि शास्त्री को अच्छी तरह आ गया होगा। शास्त्री ने पिछले दिनों एक ट्वीट किया जिसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं था, लेकिन इस पर केविन पीटरसन के गलत रिप्लाय के बाद ट्विटर पर पीटरसन के साथ-साथ शास्त्री की भी खिंचाई हो गई।

शास्त्री ने श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया के वार्मअप मैच के दौरान कप्तान विराट कोहली के साथ अपना फोटो ट्विटर पर पोस्ट करते हुए लिखा, शानदार खिलाड़ियों के समूह के साथ फिर से काम शुरू।

शास्त्री के इस ट्वीट पर महान इंग्लिश क्रिकेटर केविन पीटरसन ने रिप्लाय किया, फिर चीफ कोच दोस्त। यहां पीटरसन यह गलती कर गए कि शास्त्री इससे पहले भारतीय टीम के साथ टीम निदेशक के रूप में जुड़े थे।

पीटरसन की इस गलती पर शास्त्री ने तो कोई कमेंट नहीं किया, लेकिन उनकी गलती का मजा लेने और इसकी आड़ में शास्त्री पर निशाना साधने की ट्विटर पर मानो होड़ सी लग गई। इस गलत तथ्य के लिए पीटरसन और शास्त्री की जमकर खिंचाई की गई।

उल्लेखनीय है कि शास्त्री इस बार विवादास्पद स्थिति में टीम इंडिया के चीफ कोच बने हैं। पिछले एक साल में अपने मार्गदर्शन में टीम को जबर्दस्त सफलताएं दिलाने वाले कोच अनिल कुंबले को असहज स्थिति में पद छोड़ना पड़ा और कप्तान विराट की पसंद के चलते शास्त्री की इस पद पर नियुक्ति हुई थी।

इस तरह हुई पीटरसन और शास्त्री की खिंचाई

- अशफाक शाह ने लिखा, चीफ कोच नहीं दोस्त, कोहली के सहायक।
- प्रिंस संघवी ने लिखा, इससे पहले शास्त्री चीफ कोच नहीं, टीम निदेशक थे। मैं तो सिर्फ बता रहा हूं।
- मनवीरसिंह झाला का ट्वीट, चीफ कोच तो निश्चित रूप से नहीं थे।
- क्रिकेट एडमायर्स ट्विटर हैंडल पर लिफ्ट के अंदर शास्त्री का सेल्यूट करते हुए फोटो लगाया गया है और लिखा गया, %जब विराट कोहली लिफ्ट में प्रवेश करते हैं।
- रिजिल शंकर ने लिखा, कोच तो सही है, लेकिन हेड (head) का तय नहीं।

वेतन विवाद में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया मध्यस्थता के लिए राजी

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा कि यदि क्रिकेटरों के साथ लंबे समय से चला आ रहा वेतन विवाद अगले सप्ताह तक नहीं सुलझा तो वह स्वतंत्र मध्यस्थता के जरिए सुलझाएगा। सीए के मुख्य कार्यकारी जेम्स सदरलैंड ने कहा कि वह ऐसा बांग्लादेश के आगामी दौरे के मद्देनजर करेगा। उन्होंने कहा, यदि अगले कुछ दिनों में मामला नहीं सुलझा तो हम मुददे को सुलझाने में तटस्थ मध्यस्थ की मदद लेंगे। यह अंपायर के जरिए फैसले जैसा होग। हम ऐसा इसलिए करेंगे क्योंकि खेल को नुकसान नहीं होना चाहिए। हम चाहते हैं अनुबंधित क्रिकेटर्स जिनका ध्यान सिर्फ आगामी दौरों पर नहीं होकर पूरे सत्र पर केंद्रित हो।

उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसीए) ने सिर्फ बांग्लादेश दौरा ही नहीं बल्कि भारत के खिलाफ सितंबर में होने वाली वनडे सीरीज को भी मुश्किल में डाल दिया है।

महीनों से चल रही चर्चा के बावजूद क्रिकेटर्स और सीए के बीच अनुबंध नहीं हो पाया है जिसके चलते क्रिकेटर्स जून से बेरोजगार है। जून में 230 क्रिकेटर्स का अनुबंध समाप्त हो गया था उसके बाद से उनका नया अनुबंध नहीं हुआ है। क्रिकेटर्स ने अपनी एसोसिएशन के जरिए इस महीने की दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ सीरीज का बहिष्कार किया है और वे बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए भी यह कदम उठाने को तैयार है।

धवन जाने वाले थे मेलबर्न, लेकिन किस्मत ने पहुंचाया रनों के शिखर पर

गॉल। किस्मत व्यक्ति से कुछ भी करवा सकती है, टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन तो अब इस बात पर विश्वास करने लगे हैं। धवन हांगकांग में छुट्टियां मना रहे थे और परिवार के साथ समय बिताने मेलबर्न जाने वाले थे, अचानक उन्हें भारतीय टीम में शामिल होने के लिए बुलाया गया और उन्होंने यहां पहले ही टेस्ट में करियर का सर्वोच्च स्कोर बना दिया। श्रीलंका दौरे के लिए घोषित की गई भारतीय टेस्ट टीम में धवन को शामिल नहीं किया गया था। इस टीम में सलामी बल्लेबाजों के रूप में मुरली विजय और केएल राहुल तथा बैकअप ओपनर के रूप में अभिनव मुकुंद को चुना गया था। इसी वजह से धवन छुट्टियां मनाने हांगकांग पहुंच गए, जहां से वे अपने परिवार के साथ समय बिताने मेलबर्न जाने वाले थे। वहां पहुंचकर कुछ दिनों बाद उनका श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए तैयारी करने की योजना थी।

अचानक भारतीय टीम के तैयारी शिविर में मुरली विजय चोटिल हो गए और धवन को तुरंत टीम के साथ जुड़ने को कहा गया। धवन मेलबर्न जाने की बजाए हांगकांग से सीधे आकर टीम के साथ जुड़ गए। श्रीलंका के खिलाफ वार्मअप मैच के दौरान दूसरे सलामी बल्लेबाज केएल राहुल को बुखार आया और धवन को पहले टेस्ट में खेलने का मौका मिला। धवन ने इस मौके का दोनों हाथों से लाभ उठाया और करियर की सबसे बड़ी पारी खेल दी। उन्होंने 190 रन बनाए।

धवन के शॉट से टूटा श्रीलंकाई खिलाड़ी गुणरत्ने का अंगूठा, सीरीज से बाहर

गॉल। श्रीलंका को बुधवार को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन करारा झटका लगा जब उसके ऑलराउंडर असेला गुणरत्ने का चोट के चलते आगे इस सीरीज से बाहर हो गए। गुणरत्ने को यह चोट भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का कैच लपकने के दौरान लगी और उनके अंगूठे में फ्रेक्चर हो गया। भारतीय पारी का 14 ओवर श्रीलंका के तेज़ गेंदबाज़ कुमारा फेंक रहे थे। इस ओवर की आखिरी गेंद पर शिखर धवन ने एक तेज़-तर्रार शॉट लगाया, दूसरी स्लिप में खड़े असेला गुणरत्ने ने कैच लपकने के लिए डाइव लगाई लेकिन गेंद उनके बाएं हाथ के अंगूठे पर जा लगी और वो मैदान पर ही दर्द से कराहने लगे। इसके बाद असेला को मैदान से बाहर ले जाया गया और फिर उन्हें अस्पताल भेज दिया गया। वहां प्रारंभिक टेस्ट के बाद उन्हें कोलंबो भेज दिया गया। धवन को 31 रनों के स्कोर पर यह जीवनदान मिला और उन्होंने इसका लाभ उठाकर जोरदार शतकीय पारी खेली। उधर अस्पताल में गुणरत्ने के अंगूठे का स्कैन किया गया? जिसमें यह साफ हुआ कि फ्रेक्चर हुआ है और वो अब इस टेस्ट में हिस्सा नहीं कर पाएगें। वे इस सीरीज से बाहर हो गए।

मिताली एंड कंपनी को 1.30 करोड़ रुपए देगा भारतीय रेलवे

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे महिला क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय टीम की 10 खिलाड़ियों को 1.30 करोड़ रुपए प्रदान करेगा। कप्तान मिताली राज और ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर को गैजेटेड ऑफिसर (राजपत्रित अधिकारी) का दर्जा प्रदान किया जाएगा। बीसीसीआई पहले ही मिताली और उनकी भारतीय टीम की प्रत्येक सदस्य को 50-50 लाख रुपए के इनाम की घोषणा कर चुका है। भारत को पिछले दिनों संपन्न विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय टीम का लंदन से मुंबई पहुंचने पर छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार को जोरदार स्वागत किया गया था। भारतीय टीम में मिताली और हरमनप्रीत के अलावा रेलवे की एकता बिष्ट, पूनम राउत, पूनम यादव, वेदा कृष्णमूर्ति, सुषमा वर्मा, मोना मेशराम, राजेश्वरी गायकवाड़ तथा नुजहत परवीन शामिल थी।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)